nwda.gov.in

गोरखपुर-देवरिया के खेतों में निरंतर होगी सिंचाई

छोटी गण्डक नदी के पुनर्जीवित होने से हजारों होंगे लाभान्वित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. नदियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए पुनर्जीवित करने में जुटी उत्तर प्रदेश सरकार का प्रयास छोटी गण्डक नदी को लेकर फलीभूत होता दिख रहा है। गुर्रा नदी के ढाल को कम करके ग्रीष्म ऋतु में राप्ती नदी में निरन्तर प्रवाह बनाकर गोरखपुर के 27 तथा देवरिया के 6 गांवों सहित कुल 33 गांव की लगभग 60 हजार की आबादी तथा पशु, पक्षियों को लाभान्वित किया गया है। योगी सरकार प्रदेश में मृतप्राय हो चुकी नदियों को पुनर्जीवित करने की दिशा में तेज गति से कदम बढ़ा रही है। इस क्रम में गाजियाबाद की हिंडन, मुरादाबाद की रामगंगा और वाराणसी की असि नदी को पुनर्जीवित करने के लिए कार्रवाई तेज हो गई है। वहीं लखनऊ में कुकरैल नदी को पुनर्जीवित करने के लिए सरकार ने हाल ही में अवैध निर्माणों को ध्वस्त कराने का कार्य किया है। प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि छोटी गण्डक एक घुमावदार भूजल आधारित नदी है जो नेपाल से उद्गमित होकर भारत में महराजगंज में प्रवेश करती है। यह नदी महराजगंज, कुशीनगर, देवरिया जनपदों में 250 किमी की लम्बाई में बहती हुई अनन्तः बिहार के सीवान जिले के गोठानी के पास घाघरा नदी में मिल जाती है।

बाढ़ के समय भी रहेंगे सुरक्षित

गुर्रा नदी से बाढ़ के समय होने वाली क्षति को कम करके गोरखपुर के 20 एवं देवरिया के 6 ग्रामों सहित कुल 26 गांवों की 35 हजार आबादी को सुरक्षित करने का भी सराहनीय कार्य किया गया है। बता दें कि गुर्रा नदी का उद्गम स्थल जनपद गोरखपुर में प्रवाहित राप्ती नदी से ग्राम-रूदाइन मझगंवा, तहसील-बाँसगांव एवं ग्राम सेमरौना, तहसील-चौरी चौरा है। उद्गम स्थल से गुर्रा नदी का ढाल राप्ती नदी के ढाल से अधिक होने के कारण बाढ़ एवं ग्रीष्म ऋतु में पानी का बहाव समानुपातिक नहीं होने से बाढ़ अवधि में गुर्रा नदी से भारी तबाही की सम्भावना बनी रहती थी।